
कविकुलगुरू - कालिदास - संस्कृत - विश्वविद्यालयः

२१२

हरेः॥हर्योः॥हरीणां॥६॥हरौ॥हर्योः॥हरिषु॥७॥
हे हरे॥हे हरी॥हे हरयः॥ हरिशब्दवत् शब्द अग्नि रवि
कविगिरिमणिमुनिरुचिभूपतयः॥इनंतः पुंल्लिंगः
करिन्शब्दः॥करी॥करिणौ॥करिणः॥१॥करिणं
॥करिणौ॥करिणः॥२॥करिणा॥करिभ्यां॥करि
भिः॥३॥करिणे॥करिभ्यां॥करिभ्यः॥४॥करिणः
॥करिभ्यां॥करिभ्यः॥५॥करिणः॥करिणोः॥करि
णां॥६॥करिणि॥करिणोः॥करिषु॥७॥ हे करिन्
॥हे करिणौ॥हे करिणः॥ तकारांतः पुंल्लिंगो भूभृच्छ
ब्दः॥भूभृत्॥भूभृतौ॥भूभृतः॥१॥भूभृतं॥भू
भृतौ॥भूभृतः॥२॥भूभृता॥भूभृद्भ्यां॥भूभृ
द्भिः॥३॥भूभृते॥भूभृद्भ्यां॥भूभृद्भ्यः॥४॥भूभृतः॥

Acc. No. ~~4487~~ M-1897
Title - शब्दरूपावलि.
Author - ?
Date - शके 1724.
Sub - व्याकरण.

folio - 11 (1st folio is missing).
Xerox - 22.
scribe - (जनार्दनभट्ट.)

॥२॥

मून्त्भ्यां॥ मून्त्भ्यः॥५॥ मून्त्तः॥ मून्त्तोः॥ मू
न्त्तां॥६॥ मून्त्ति॥ मून्त्तोः॥ मून्त्त्सु॥७॥ हे मू
न्त्त॥ हे मून्त्तौ॥ हे मून्त्तः॥ उकारांतः पुंल्लिंगो
विष्णुशब्दः॥ विष्णुः॥ विष्णू॥ विष्णवः॥१॥ विष्णुं
॥ विष्णू॥ विष्णून्॥२॥ विष्णुना॥ विष्णुभ्यां॥ वि
ष्णुभिः॥३॥ विष्णवे॥ विष्णुभ्यां॥ विष्णुभ्यः॥
४॥ विष्णोः॥ विष्णुभ्यां॥ विष्णुभ्यः॥५॥ विष्णोः॥
विष्ण्वोः॥ विष्णूनां॥६॥ विष्णौ॥ विष्ण्वोः॥ विष्णु
षु॥७॥ हे विष्णो॥ हे विष्णू॥ हे विष्णवः॥ ऋकारां
तः पुंल्लिंगो कर्तृशब्दः॥ कर्ता॥ कर्तारौ॥ कर्तारः
॥१॥ कर्तारं॥ कर्तारौ॥ कर्तॄन्॥२॥ कर्त्रा॥ क
र्तृभ्यां॥ कर्तृभिः॥३॥ कर्त्रे॥ कर्तृभ्यां॥ कर्तृभ्यः
॥४॥ कर्तुः॥ कर्तृभ्यां॥ कर्तृभ्यः॥५॥ कर्तुः॥ क ॥२॥

त्रोः ॥ कर्तॄणां ॥ ६ ॥ कर्त्तरि ॥ कर्त्रोः ॥ कर्तृषु ॥ हे कर्त्तः ॥
हे कर्तारौ ॥ हे कर्त्तारः ॥ सकारांतः पुल्लिंगः चंद्रमसशब्
दः ॥ चंद्रमाः ॥ चंद्रमसौ ॥ चंद्रमसः ॥ १ ॥ चंद्रमसं ॥
चंद्रमसौ ॥ चंद्रमसः ॥ २ ॥ चंद्रमसा ॥ चंद्रमोभ्यां
॥ चंद्रमोभिः ॥ ३ ॥ चंद्रमसे ॥ चंद्रमोभ्यां ॥ चंद्रमो
भ्यः ॥ ४ ॥ चंद्रमसः ॥ चंद्रमोभ्यां ॥ चंद्रमोभ्यः ॥ ५ ॥
चंद्रमसः ॥ चंद्रमसोः ॥ चंद्रमसां ॥ ६ ॥ चंद्रमसि ॥
चंद्रमसोः ॥ चंद्रमःसु ॥ ७ ॥ हे चंद्रमाः ॥ हे चंद्रमसौ ॥
हे चंद्रमसः ॥ सकारांतउकारानुसंबंधंत तस्थिव
स्शब्दः ॥ तस्थिवान् ॥ तस्थिवांसौ ॥ तस्थिवांसः
॥ १ ॥ तस्थिवांसं ॥ तस्थिवांसौ ॥ तस्थुषः ॥ २ ॥
तस्थुषा ॥ तस्थिवद्भ्यां ॥ तस्थिवद्भिः ॥ ३ ॥ तस्थु
षे ॥ तस्थिवद्भ्यां ॥ तस्थिवद्भ्यः ॥ ४ ॥ तस्थुषः ॥

3

॥३॥

तस्थिवद्भ्यां ॥ तस्थिवद्भ्यः ॥५॥ तस्थुषः ॥ तस्थु
षोः ॥ तस्थुषां ॥६॥ तस्थुषि ॥ तस्थुषोः ॥ तस्थिव
त्सु ॥७॥ हे तस्थिवन् ॥ हे तस्थिवांसौ ॥ हे तस्थि
वांसः ॥ तकारांतः पुल्लिंगो भगवत् शब्दः
॥ भगवान् ॥ भगवंतौ ॥ भगवंतः ॥१॥ भग
वंतं ॥ भगवंतौ ॥ भगवतः ॥२॥ भगवता ॥ भ
गवद्भ्यां ॥ भगवद्भिः ॥३॥ भगवते ॥ भगवद्भ्यां
॥ भगवद्भ्यः ॥४॥ भगवतः ॥ भगवद्भ्यां ॥ भग
वद्भ्यः ॥५॥ भगवतः ॥ भगवतोः ॥ भगवतां ॥
॥६॥ भगवति ॥ भगवतोः ॥ भगवत्सु ॥७॥ हे भग
वन् ॥ हे भगवंतौ ॥ हे भगवंतः ॥ नकारांतः पुं
ल्लिंगो आत्मन् शब्दः ॥ आत्मा ॥ आत्मानौ ॥ आ
त्मानः ॥१॥ आत्मानं ॥ आत्मानौ ॥ आत्मनः ॥२॥

॥३॥

आत्मना॥ आत्मभ्यां॥ आत्मभिः॥ आत्मने॥ आत्मभ्यां॥
आत्मभ्यः॥४॥ आत्मनः॥ आत्मभ्यां॥ आत्मभ्यः॥५॥
आत्मनः॥ आत्मनोः॥ आत्मनां॥६॥ आत्मनि॥ आ
त्मनोः॥ आत्मसु॥७॥ हे आत्मन्॥ हे आत्मानौ॥ हे आ
त्मानः॥ ॥रमामतिर्नदी धेनुर्वाग्धीः सरिदनंतरं
॥क्षुत्स्वाव्हूश्चतुराश्चैव वद्वेला स्त्रीषु नायकाः॥१॥
आकारांतः स्त्रीलिंगो रमाशब्दः॥ रमा॥ रमे॥ रमाः॥१॥
रमां॥ रमे॥ रमाः॥२॥ रमया॥ रमाभ्यां॥ रमाभिः
॥३॥ रमायै॥ रमाभ्यां॥ रमाभ्यः॥४॥ रमायाः॥ रमा
भ्यां॥ रमाभ्यः॥५॥ रमायाः॥ रमयोः॥ रमाणां॥६॥
रमायां॥ रमयोः॥ रमासु॥७॥ हे रमे॥ हे रमे॥ हे र
माः॥ इकारांतः स्त्रीलिंगो मतिशब्दः॥ मतिशब्द
वत् बुद्धिशब्दः॥ मतिः॥ मती॥ मतयः॥१॥ मतिं॥

॥७॥

मती॥ मती:॥२॥ मत्या॥ मतिभ्यां॥ मतिभिः॥३॥ मत्यै॥
मतये॥ मतिभ्यां॥ मतिभ्यः॥४॥ मत्याः॥ मतेः॥ मति
भ्यां॥ मतिभ्यः॥५॥ मत्याः॥ मतेः॥ मत्योः॥ मतीनां॥
॥६॥ मत्यां॥ मतौ॥ मत्योः॥ मतीषु॥ ७॥ हे मते॥ हे म
ती॥ हे मतयः॥ मतिशब्दवत् शब्दगतिमतिधृतिरु
चिप्रभृतयः॥ ईकारांतस्त्रीलिंगो नदीशब्दः॥ नदी॥ न
द्यौ॥ नद्यः॥१॥ नदीं॥ नद्यौ॥ नदीः॥२॥ नद्या॥ नदीभ्यां
॥ नदीभिः॥३॥ नद्यै॥ नदीभ्यां॥ नदीभ्यः॥४॥ नद्याः
॥ नदीभ्यां॥ नदीभ्यः॥५॥ नद्याः॥ नद्योः॥ नदीनां॥
६॥ नद्यां॥ नद्योः॥ नदीषु॥ ७॥ हे नदि॥ हे नद्यौ॥ हे न
द्यः॥ नदीशब्दवत् शब्द गौरी सरस्वती ब्रह्माणी कौ
मारी प्रभृतयः॥ उकारांतः स्त्रीलिंगो धेनुशब्दः॥ धे
नुः॥ धेनू॥ धेनवः॥१॥ धेनुं॥ धेनू॥ धेनूः॥२॥ धेन्वा॥

॥८॥

6

धेन्वा ॥ धेनुभ्यां ॥ धेनुभिः ॥ ३ ॥ धेनवे ॥ धेनुभ्यां ॥
धेनुभ्यां ॥ धेनुभ्यः ॥ ४ ॥ धेनन्वाः ॥ धेनुभ्यां ॥ धेनु
भ्यः ॥ ५ ॥ धेन्वाः ॥ धेनोः ॥ धेन्वोः ॥ धेनूनां ॥ ६ ॥ धे
न्वां ॥ धेनौ ॥ धेन्वोः ॥ धेनुषु ॥ ७ ॥ हे धेनो ॥ हे धेनु ॥ हे

हे धेनवः ॥ धेनुशब्दवत् रज्जुसज्जुप्रभृतयः ॥ चुका
रांतः स्त्रीलिंगो वाक् शब्दः ॥ वाक् ॥ वाग् ॥ वाचौ ॥
वाचः ॥ १ ॥ वाचं ॥ वाचौ वाचः ॥ २ ॥ वाचा ॥ वाग्
भ्यां ॥ वाग्भिः ॥ ३ ॥ वाचे ॥ वाग्भ्यां ॥ वाग्भ्यः ॥ ४ ॥
वाचः ॥ वाग्भ्यां ॥ वाग्भ्यः ॥ ५ ॥ वाचः ॥ वाचोः ॥ वाचां
॥ ६ ॥ वाचि ॥ वाचोः ॥ वाक्षु ॥ ७ ॥ हे वाक् ॥ हे वाचौ
॥ हे वाचः ॥ ईकारांतः स्त्रीलिंगो धीशब्दः ॥ धीः ॥
धियौ ॥ धियः ॥ १ ॥ धियं ॥ धियौ ॥ धियः ॥ २ ॥ धीया
॥ धीभ्यां ॥ धीभिः ॥ ३ ॥ धियै ॥ धिये ॥ धीभ्यां ॥ धी

धेनोः धेनुभ्यां

7

॥५॥

न्यः॥४॥धियाः॥धियः॥ धीन्यां॥धीन्यः॥५॥धियाः॥धि
यः॥धियो॥धियां॥धीनां॥६॥धियां॥धियि॥धियोः॥
धीषु॥७॥हे धीः॥हे धियौ॥हे धियः॥ नकारांतः स्त्री
लिंगः सरित्‌शब्दः॥ सरित्॥सरितौ॥सरितः॥१॥सरि
तं॥सरितौ॥सरितः॥२॥सरिता॥सरिद्भ्यां॥सरिद्भिः
॥३॥सरिते॥सरिद्भ्यां॥सरिद्भ्यः॥४॥सरितः॥सरि
द्भ्यां॥सरिद्भ्यः॥५॥सरितः॥सरितोः॥सरितां॥६॥स
रिति॥सरितोः॥सरित्सु॥७॥हे सरित्॥हे सरितौ॥हे स
रितः॥धकारांतः स्त्रीलिंगः क्षुधशब्दः॥क्षुत्॥क्षु
धौ॥क्षुधः॥१॥क्षुधं॥क्षुधौ॥क्षुधः॥२॥क्षुधा॥
क्षुद्भ्यां॥क्षुद्भिः॥३॥क्षुधे॥क्षुद्भ्यां॥क्षुद्भ्यः॥४॥क्षु
धः॥क्षुद्भ्यां॥क्षुद्भ्यः॥५॥क्षुधः॥क्षुधोः॥क्षुधां॥६॥
क्षुधि॥क्षुधोः॥क्षुत्सु॥७॥हे क्षुत्॥हे क्षुधौ॥हे क्षुधः
॥पकारांतः स्त्रीलिंगः प्रावृष्‌शब्दः॥प्रावृट्॥प्रावृषौ॥

॥५॥

8

प्रावृषः ॥१॥ प्रावृषं ॥ प्रावृषौ ॥ प्रावृषः ॥२॥ प्रावृषा ॥ प्रा
वृड्भ्यां ॥ प्रावृड्भिः ॥३॥ प्रावृषे ॥ प्रावृड्भ्यां ॥
प्रावृड्भ्यः ॥४॥ प्रावृषः ॥ प्रावृड्भ्यां ॥ प्रावृड्भ्यः ॥
॥५॥ प्रावृषः ॥ प्रावृषोः ॥ प्रावृषां ॥६॥ प्रावृषि ॥ प्रा
वृषोः ॥ प्रावृट्सु ॥७॥ हे प्रावृट् ॥ हे प्रावृषौ ॥ दकारां
तः स्त्रीलिंगः शरद्शब्दः ॥ शरत् ॥ शरदौ ॥ शरदः
॥१॥ शरदं ॥ शरदौ ॥ शरदः ॥२॥ शरदा ॥ शरद्भ्यां
॥ शरद्भिः ॥३॥ शरदे ॥ शरद्भ्यां ॥ शरद्भ्यः ॥४॥ श
रदः ॥ शरद्भ्यां ॥ शरद्भ्यः ॥५॥ शरदः ॥ शरदोः ॥ शरदां
॥६॥ शरदि ॥ शरदोः ॥ शरत्सु ॥ हे शरत् ॥ हे शरदौ ॥ हे
शरदः ॥ ज्ञानं दधिपयो वर्म धनुर्वारि जगत्तथा ॥
मधुनाम मनो हारि दैत्यो ता नि नपुंसके ॥ ॥ अका
रांतो नपुंसकलिंगो ज्ञानशब्दः ॥ ज्ञानं ॥ ज्ञाने ॥ ज्ञाना
नी ॥१॥

॥२॥ ज्ञानेन॥ ज्ञानाभ्यां॥ ज्ञा

राम

॥६॥

पुनरपि ज्ञानं॥ ज्ञाने॥ ज्ञानानि॥ ज्ञानाय॥ ज्ञानाभ्यां॥ ज्ञानेभ्यः॥ ४॥ ज्ञानात्॥ ज्ञा
नैः॥ ३॥ ज्ञानाय॥ ज्ञानाभ्यां॥ ज्ञानेभ्यः॥ ५॥ ज्ञानस्य॥ ज्ञानयोः॥ ज्ञानानां॥ ६॥
नाभ्यां॥ ज्ञानेभ्यः॥ ५॥ ज्ञानस्य॥ ज्ञानयोः॥ ज्ञानानां॥ ६॥ हे ज्ञानं॥ हे ज्ञाने॥ हे ज्ञाना
ज्ञाने॥ ज्ञानयोः॥ ज्ञानेषु॥ ७॥ हे ज्ञानं॥ हे ज्ञाने॥ हे ज्ञाना
नि॥ इकारांतो नपुंसकलिंगो दधिशब्दः॥ दधि॥ दधी
नी॥ दधीनि॥ १॥ द[illegible]॥ पुनरपि दधि॥ दधिनी॥ दधी
नि॥ २॥ दध्ना॥ दधिभ्यां॥ दधिभिः॥ ३॥ दध्ने॥ दधिभ्यां॥
दधिभ्यः॥ ४॥ दध्नः॥ दधिभ्यां॥ दधिभ्यः॥ ५॥ दध्नः॥
दध्नोः॥ दध्नां॥ ६॥ दध्नि॥ दधनि॥ दध्नोः॥ दधिषु॥ ७॥
हे दधे॥ हे दधि॥ हे दधिनी॥ हे दधीनि॥ सकारांतो नपुं
सक लिंगः पयस्शब्दः॥ पयः॥ पयसी॥ पयांसि॥ १॥
पयः पुनः पयसि॥ पयांसि॥ २॥ पयसा॥ पयोभ्यां॥ पयोभिः
॥ ३॥ पयसे॥ पयोभ्यां॥ पयोभ्यः॥ ४॥ पयसः॥ पयोभ्यां
॥ पयोभ्यः॥ ५॥ पयसः॥ पयसोः॥ पयसां॥ ६॥ पयसि॥
पयसोः॥ पयःसु॥ ७॥ हे पयः॥ हे पयसि॥ हे पयांसि॥ ॥

॥६॥

नकारांतोनपुंसकलिंगोवर्मन्शब्दः॥ वर्म॥ वर्मणी॥ वर्माणि
॥१॥ वर्माणि पुनः वर्मणी॥ वर्माणि॥ २॥ वर्मणा॥ वर्मभ्यां॥ व
र्मभिः॥ ३॥ वर्मणे॥ वर्मभ्यां॥ वर्मभ्यः॥ ४॥ वर्मणः॥ वर्मभ्यां
॥ वर्मभ्यः॥ ५॥ वर्मणः॥ वर्मणोः॥ वर्मणां॥ ६॥ वर्मणि॥ व
र्मणोः॥ वर्मसु॥ ७॥ हे वर्म॥ हे वर्मणी॥ हे वर्माणि॥ षकारां
तोनपुंसकलिंगो धनुष्शब्दः॥ धनुः॥ धनुषी॥ धनूंषि॥
॥१॥ पुनः धनुः॥ धनुषी॥ धनूंषि॥ २॥ धनुषा॥ धनुर्भ्यां
॥ धनुर्भिः॥ ३॥ धनुषे॥ धनुर्भ्यां धनुर्भ्यः॥ ४॥ धनुषः॥ धनु
र्भ्यां॥ धनुर्भ्यः॥ ५॥ धनुषः॥ धनुषोः॥ धनुषां॥ ६॥ धनु
षि॥ धनुषोः॥ धनुःषु॥ ७॥ हे धनुः॥ हे धनुषी॥ हे धनूं
षि॥ इकारांतोनपुंसकलिंगोवारिशब्दः॥ वारि॥ वारि
णी॥ वारीणि॥ १॥ पुनः वारि॥ वारिणी॥ वारीणि॥ २॥
वारिणा॥ वारिभ्यां॥ वारिभिः॥ ३॥ वारिणे॥ वारिभ्यां॥ वा
रिभ्यः॥ ४॥ वारिणः॥ वारिभ्यां॥ वारिभ्यः॥ ५॥ वारिणः॥

॥७॥

पुनः

वारिणोः ॥ वारिणां ॥ ६ ॥ वारिणि ॥ वारिणोः ॥ वारिषु ॥ ७ ॥
हे वारि ॥ हे वारिणी ॥ हे वारीणि ॥ तकारांतो नपुंस
कलिंगो जगत्शब्दः ॥ जगत् ॥ जगती ॥ जगंति ॥ १ ॥
जगत् ॥ जगती ॥ जगंति ॥ २ ॥ जगता ॥ जग
द्भ्यां ॥ जगद्भिः ॥ ३ ॥ जगते ॥ जगद्भ्यां ॥ जगद्भ्यः ॥ ४ ॥
जगतः जगद्भ्यां ॥ जगद्भ्यः ॥ ५ ॥ जगतः ॥ जगतोः ॥
जगतां ॥ ६ ॥ जगति ॥ जगतोः ॥ जगत्सु ॥ ७ ॥ हे जगत् ॥
हे जगती ॥ हे जगंति ॥ नकारांतो नपुंसकलिंगो नामन्
शब्दः ॥ नाम ॥ नामनि ॥ नामानि ॥ १ ॥ पुनः नाम ॥ नामनी ॥
नामानि ॥ २ ॥ नाम्ना ॥ नामभ्यां ॥ नामभिः ॥ ३ ॥ नाम्ने ॥ ना
मभ्यां ॥ नामभ्यः ॥ ४ ॥ नाम्नः ॥ नामभ्यां ॥ नाम
भ्यः ॥ ५ ॥ नाम्नः ॥ नाम्नोः ॥ नाम्नां ॥ ६ ॥ नाम्नि ॥ नामनि ॥ नाम्नोः
॥ नामसु ॥ ७ ॥ हे नाम ॥ हे नामनी ॥ हे नामानि ॥ इकारांतो न
पुंसकलिंगो मनोहारि शब्दः ॥ मनोहारि ॥ मनोहारिणी
॥ मनोहारीणि ॥ १ ॥ पुनः मनोहारि ॥ मनोहारिणी ॥

॥७॥

मनोहारीणि ॥ २ ॥ मनोहारिणा ॥ मनोहारिभ्यां ॥ मनोहारिभिः ॥
मनोहारिणे ॥ मनोहारिभ्यां ॥ मनोहारिभ्यः ॥ ४ ॥ मनोहारि
३ ॥ मनोहारिणे ॥ मनोहारिभ्यां ॥ मनोहारिभ्यः ॥ ५ ॥ मनोहारिणः ॥ म
णः ॥ मनोहारिभ्यां ॥ मनोहारिभ्यः ॥ ५ ॥ मनोहारिणः ॥ म
नोहारिणोः ॥ मनोहारिणां ॥ ६ ॥ मनोहारिणि ॥ ब मनोहारि
णोः ॥ मनोहारिषु ॥ ७ ॥ हे मनोहारिन् ॥ हे मनोहारिणी ॥ हे
मनोहारीणि ॥ ॥ सः सा तच्च श्वयाम्यश्वकः कोकित्यमहत्व
यं ॥ इयं चेदं चैव चैषा चैतच्चासावसावदः ॥ १ ॥ दकारांतः
पुल्लिंगः स्तदशब्दः ॥ सः ॥ तौ ॥ ते ॥ १ ॥ तं ॥ तौ ॥ तान् ॥ २ ॥ ते
न ॥ ताभ्यां ॥ तैः ॥ ३ ॥ तस्मै ॥ ताभ्यां ॥ तेभ्यः ४ ॥ तस्मात् ॥ ताभ्यां
॥ तेभ्यः ॥ ५ ॥ तस्य ॥ तयोः ॥ तेषां ॥ ६ ॥ तस्मिन् ॥ तयोः ॥
तेषु ॥ ७ ॥ त्यदादिकानां सबोधनाभावः ॥ दकारांतस्त्रीलिं
गस्तदशब्दः ॥ सा ॥ ते ॥ ताः ॥ १ ॥ तां ॥ ते ॥ ताः ॥ २ ॥ तया ॥ ताभ्यां
॥ ताभिः ॥ ३ ॥ तस्यै ॥ ताभ्यां ॥ ताभ्यः ॥ ४ ॥ तस्याः ॥ ताभ्यां
॥ ताभ्यः ॥ ५ ॥ तस्याः ॥ तयोः तासां ॥ ६ ॥ तस्यां ॥ तयोः ॥ तासु ॥ ७ ॥

हारि

४३

दकारांतोनपुंसकलिंगस्तच्छब्दः ॥ तत् ॥ ते ॥ तानि ॥ १ ॥
पुनरपि तत् ॥ ते ॥ तानि ॥ २ ॥ शेषपूर्ववत् ॥ दकारांतः
॥ ८ ॥ पुंल्लिंगो यद्शब्दः ॥ यः ॥ यौ ॥ ये ॥ १ ॥ यं ॥ यौ ॥ यान् ॥
२ ॥ येन ॥ याभ्यां ॥ यैः ॥ ३ ॥ यस्मै ॥ याभ्यां ॥ येभ्यः ॥ ४ ॥ य
स्मात् ॥ याभ्यां ॥ येभ्यः ॥ ५ ॥ यस्य ॥ ययोः ॥ येषां ॥ ६ ॥
यस्मिन् ॥ ययोः ॥ येषु ॥ ७ ॥ दकारांतः स्त्रीलिंगो यद्
शब्दः ॥ या ॥ ये ॥ याः ॥ १ ॥ यां ॥ ये ॥ याः ॥ २ ॥ यया ॥ याभ्यां
॥ याभिः ॥ ३ ॥ यस्यै ॥ याभ्यां ॥ याभ्यः ॥ ४ ॥ यस्याः ॥ याभ्यां
॥ याभ्यः ॥ ५ ॥ यस्याः ॥ ययोः ॥ यासां ॥ ६ ॥ यस्यां ॥ ययोः ॥
यासु ॥ ७ ॥ दकारांतोनपुंसकलिंगो यत्शब्दः ॥ यत् ॥ ये
॥ यानि ॥ १ ॥ पुनरपि यत् ॥ ये ॥ यानि ॥ २ ॥ शेषं पूर्ववत्
॥ मकारांतः पुंलिंगो किम्शब्दः ॥ कः ॥ कौ ॥ के ॥ १ ॥ कं
॥ कौ ॥ कान् ॥ २ ॥ केन ॥ काभ्यां ॥ कैः ॥ ३ ॥ कस्मै ॥ का
भ्यां ॥ केभ्यः ॥ ४ ॥ कस्मात् ॥ काभ्यां ॥ केभ्यः ॥ ५ ॥ कस्य
॥ कयोः ॥ केषां ॥ ६ ॥ कस्मिन् ॥ कयोः ॥ केषु ॥ ७ ॥ स्त्री ॥

या ७

॥ ८ ॥

मकारांतः स्त्रीलिंगः किम्शब्दः ॥ का ॥ के ॥ काः ॥ १ ॥ कां
॥ के ॥ काः ॥ २ ॥ कया ॥ काभ्यां ॥ काभिः ॥ ३ ॥ कस्यै ॥ काभ्यां
॥ काभ्यः ॥ ४ ॥ कस्याः ॥ काभ्यां ॥ काभ्यः ॥ ५ ॥ कस्याः ॥
कयोः ॥ कासां ॥ ६ ॥ कस्यां ॥ कयोः ॥ कासु ॥ ७ ॥ मका
रांतो नपुंसकलिंगः किम्शब्दः ॥ किं ॥ के ॥ कानि ॥
॥ १ ॥ पुनरपि किं ॥ के ॥ कानि ॥ २ ॥ शेषं पूर्ववत् ॥ दकारां
त अस्मद्शब्दः ॥ अहं ॥ आवां ॥ वयं ॥ १ ॥ मां मा ॥ आ
वां नौ ॥ अस्मान्नः ॥ २ ॥ मया ॥ आवाभ्यां ॥ अस्माभिः
॥ ३ ॥ मह्यं मे ॥ आवाभ्यां नौ ॥ अस्मभ्यं नः ॥ ४ ॥
मत् ॥ आवाभ्यां ॥ अस्मत् ॥ ५ ॥ मम मे ॥ आवयोः ॥ नौ ॥
अस्माकं नः ॥ ६ ॥ मयि ॥ आवयोः ॥ अस्मासु ॥ ७ ॥ द
कारांतो युष्मद्शब्दः ॥ त्वं ॥ युवां ॥ यूयं ॥ १ ॥ त्वां त्वा ॥ यु
वां वां ॥ युष्मान्वः ॥ २ ॥ त्वया ॥ युवाभ्यां ॥ युष्माभिः ॥ ३ ॥
तुभ्यं ते ॥ युवाभ्यां ॥ वो युष्मभ्यं ॥ ४ ॥ त्वत् ॥ युवाभ्यां ॥

॥१०॥

युष्मत्॥५॥ तवते॥ युवयोः॥ वांयुष्माकंवः॥६॥ त्वयि॥ युव
योः॥ युष्मासु॥७॥ मकारांतः पुलिंग इदम् शब्दः॥ अयं॥ इ
मौ॥ इमे॥१॥ इमं॥ इमौ॥ इमान्॥२॥ अनेन॥ आभ्यां॥ एभिः
॥३॥ अस्मै॥ आभ्यां॥ एभ्यः॥४॥ अस्मात्॥ आभ्यां॥ एभ्यः
॥५॥ अस्य॥ अनयोः॥ एषां॥६॥ अस्मिन्॥ अनयोः॥ एषु
॥७॥ मकारांतः स्त्रीलिंग इदं शब्दः॥ इयं॥ इमे॥ इमाः॥१॥ इ
मां॥ इमे॥ इमाः॥२॥ अनया॥ आभ्यां॥ आभिः॥३॥ अस्यै॥
आभ्यां॥ आभ्यः॥४॥ आस्याः॥ आभ्यां॥ आभ्यः॥५॥ आ
स्याः॥ अनयोः॥ आसां॥६॥ अस्यां॥ अनयोः॥ आसु॥
॥७॥ मकारांतो नपुंसकलिंगो इदम् शब्दः॥ इदं॥ इमे॥ इ
मानि॥१॥ पुनरपि इदं॥ इमे॥ इमानि॥२॥ शेषं पुवत्॥ दका
रांतः पुलिंग [illegible] एतद् शब्दः॥ एषः॥ एतौ॥ एते॥१॥ एतं॥ [illegible]
एनं॥ एतौ॥ एनौ॥ एतान्॥ एनान्॥२॥ एतेन॥ एनेन॥ एताभ्यां
॥ एतैः॥३॥ एतस्मै॥ एताभ्यां॥ एतेभ्यः॥४॥ एतस्मात्॥ एता
भ्यां॥ एतेभ्यः॥५॥ एतस्य॥ एतयोः॥ एतेषां॥६॥ एतस्मिन्

॥ ए॥

16

एतैयोः ॥ एतेषुः ॥७॥ दकारांत स्त्री लिंग एतद् शब्दः ॥ एषा
॥ एते ॥ एताः ॥१॥ एतां ॥ एनां ॥ एते ॥ एने ॥ एताः ॥ एनाः ॥२॥
एतया ॥ एनया ॥ एताभ्यां ॥ एताभिः ॥३॥ एतस्यै ॥ एता
भ्यां ॥ एताभ्यः ॥४॥ एतस्याः ॥ एताभ्यां ॥ एताभ्यः ॥५॥ एतस्याः
॥ एतयोः ॥ एतासां ॥६॥ एतस्यां ॥ एतयोः ॥ एतासु ॥७॥ द
कारांतो नपुंसलिंगो एतद् शब्दः ॥ एतद् ॥ एते ॥ एतानि ॥१॥
पुनरपि एतद् ॥ ते ॥ एतानि ॥२॥ शेषं पूर्ववत् ॥ सकारांतः पुलिंग
अदस् शब्दः ॥ असौ ॥ अमू ॥ अमी ॥१॥ अमुं ॥ अमू ॥ अमू
न् ॥२॥ अमुना ॥ अमुभ्यां ॥ अमुभिः ॥३॥ अमुष्मै ॥ अमुभ्यां
॥ अमुभ्यः ॥४॥ अमुष्मात् ॥ अमुभ्यां ॥ अमीभ्यः ॥५॥ अमु
ष्य ॥ अमुयोः ॥ अमीषां ॥६॥ अमुष्मिन् ॥ अमुयोः ॥ अमी
षु ॥७॥ सकारांतः स्त्रिलिंग अदस् शब्दः ॥ असौ ॥ अमू ॥
अमूः ॥१॥ अमुं ॥ अमू ॥ अमूः ॥२॥ अमुया ॥ अमुभ्यां ॥ अ
मुभिः ॥३॥ अमुष्यै ॥ अमूभ्यां ॥ अमूभ्यः ॥४॥ अमुष्या ॥ अ
मूभ्यां ॥ अमूभ्यः ॥५॥ अमुष्याः ॥ अमुयोः ॥ अमूषां ॥६॥ अमु
ष्यां ॥ अमुयोः ॥ अमीषु ॥७॥ सकारांतो नपुंसकलिंगो अ

ए
र

17

॥१०॥

दसत्सद्दः॥ अदः॥ अमू॥ अमूनि॥१॥ पुनरपि अदः॥ अमू॥ अमूनि॥२॥ शेषं पूर्ववत्॥ ऋकारांत पुंलिंगो नृ शब्दः॥ ना॥ नरौ॥ नरः॥१॥ नरं॥ नरौ॥ नॄन्॥२॥ न्रा॥ नृभ्यां॥ नृभिः॥३॥ न्रे॥ नृभ्यां॥ नृभ्यः॥४॥ नुः॥ नृभ्यां॥ नृभ्यः॥५॥ नुः॥ न्रोः॥ नॄणां॥६॥ नरि॥ न्रोः॥ नृषु॥७॥ हे नः॥ हे नरौ॥ हे नरः॥ ओकारांत पुंलिंगो गो शब्दः॥ गौः॥ गावौ॥ गावः॥१॥ गां॥ गावौ॥ गाः॥२॥ गवा॥ गोभ्यां॥ गोभिः॥३॥ गवे॥ गोभ्यां॥ गोभ्यः॥४॥ गोः॥ गोभ्यां॥ गोभ्यः॥५॥ गोः॥ गवोः॥ गवां॥६॥ गवि॥ गवोः॥ गोषु॥७॥ हे गौः॥ हे गावौ॥ हे गावः॥ ओकारांतः पुंलिंगो गोशब्दः॥ अथ औकारांतः पुंलिंगो ग्लौ शब्दः॥ ग्लौः॥ ग्लावौ॥ ग्लावः॥१॥ ग्लावं॥ ग्लावौ॥ ग्लावः॥२॥ ग्लावा॥ ग्लौभ्यां॥ ग्लौभिः॥३॥ ग्लावे॥ ग्लौ[illegible]॥ ग्लौभ्यः॥४॥ ग्लावा॥ ग्लौभ्यां॥ ग्लौभ्यः॥५॥ ग्लावः॥ ग्लावोः॥ ग्लावां॥६॥ ग्लावि॥ ग्लावोः॥ ग्लौषु॥७॥ हे ग्लौः॥ हे ग्लावौ॥ हे ग्लावः॥ द्वितीयस्य सर्वद्रूपं ङि सुवावक्तव्यं॥ द्वितीयः॥ द्वितीयो॥

॥७॥

द्वितीये ॥१॥ द्वितीयं ॥ द्वितीयौ ॥ द्वितीयान् ॥२॥ द्वितीये
द्वितियाभ्यां ॥ द्वितीयैः ॥३॥ द्वितीयस्मै ॥ द्वितीयाय ॥ द्विती
॥ द्वितीयेभ्यः ॥४॥ द्वितीयस्मात् ॥ द्वितीयात् ॥ द्वितीयाभ्यां
॥ द्वितीयेभ्यः ॥५॥ द्वितीयस्य ॥ द्वितीययोः ॥ द्वितीयेषां ॥६॥
द्वितीयस्मिन ॥ द्वितीये ॥ द्वितीययोः ॥ द्वितीयेषु ॥७॥
हे हे द्वितीय ॥ हे द्वितीयौ ॥ हे द्वितीये ॥ एवं तृतीयः ॥ उभशब्दो
नित्यं द्विवचनांतः ॥ उभौ ॥२॥ उभाभ्यां ॥३॥ उभयोः ॥२॥
हे उभौ ॥ उभयशब्दस्य द्विवचनाभावः ॥ उभयः ॥ उभये ॥१॥
उभयं ॥ उभयान् ॥२॥ उभयेन ॥ उभयैः ॥३॥ उभयस्मै ॥ उभ
येभ्यः ॥४॥ उभयस्मात् ॥ उभयेभ्यः ॥५॥ उभयस्य ॥ उभये
षां ॥६॥ उभयस्मिन् ॥ उभयेषु ॥७॥ हे उभय ॥ हे उभये ॥ अ
कारांतः पुल्लिंगो मासशब्दः ॥ माः ॥ मासः ॥ मासौ ॥ मासौ ॥ मा
सः ॥ मासाः ॥१॥ मासं ॥ मासं ॥ मासौ ॥ मासौ ॥ मासः ॥ मासा
न् ॥२॥ मासा ॥ मासेन ॥ मासाभ्यां ॥ मासाभ्यां ॥ मासैः ॥ मा
मासैः ॥३॥ मासे ॥ मासाय ॥ मासाभ्यां ॥ मासाभ्यां ॥ माभ्यः
॥ मसेभ्यः ॥४॥ मासः मासात् ॥ माभ्यां ॥ मासाभ्यां ॥ मासेभ्यः ॥

॥१३॥

मासेभ्यः॥५॥ मासः॥ मासस्य॥ मासोः॥ मासयोः॥ मासां॥ मासानां
॥६॥ मासि॥ मासे॥ मासोः॥ मासयोः॥ मासु॥ मासेषु॥७॥ हे मा
॥ हे मासः॥ हे मासो॥ हे मासो॥ हे मासः॥ हे मासाः॥ रेफांतः॥
चतुरशब्दो नित्यं बहुवचनांतः॥ चत्वारः॥ चतुरः॥ चतुर्भिः॥ च
तुर्भ्यः॥ चतुर्भ्यः॥ चतुर्णां॥ चतुर्षु॥ हे चत्वारः॥ पंचशब्दो नित्यं
बहुवचनांतः॥ पंच॥ पंच॥ पंचभिः॥ पंचभ्यः॥ पंचभ्यः॥ पं
चानां॥ पंचसु॥ हे पंच॥ एवं सप्तन् दशन् प्रभृतयः॥ ति
स्रः॥ तिस्रः॥ तिसृभिः॥३॥ तिसृभ्यः॥ तिसृभ्यः॥ तिसृणां
॥ तिसृणां॥ तिसृषु॥ हे तिस्रः॥ एवं चतुसृशब्दः॥ अपशब्दो
नित्यं बहुवचनांतः॥ आपः॥ आपः॥ अद्भिः॥ अद्भ्यः॥ अद्भ्यः
॥ अपां॥ अप्सु॥ द्विशब्दो नित्यं द्विवचनांतः॥ द्वौ॥ द्वौ॥ द्वाभ्यां
॥३॥ द्वयोः॥२॥ हे द्वौ॥ त्रिशब्दो नित्यं बहुवचनांतः॥ त्रयः॥
त्रीन्॥२॥ त्रिभिः॥३॥ त्रिभ्यः॥४॥ त्रिभ्यः॥५॥ त्रयाणां॥६॥
त्रिषु॥७॥ हे त्रयः॥ कतिशब्दो नित्यं बहुवचनांतस्त्रिषु सरूपाः
॥ कति॥१॥ कति॥२॥ कतिभिः॥३॥ कतिभ्यः॥४॥ क[illegible]
॥५॥ कतीनां॥६॥ कति[illegible]॥७॥ हे कति॥ लत्वमक॥ ल[illegible]

॥१४॥

तत्वमुट् ॥ तत्वमुड् ॥ तत्वमुदौ ॥ तत्वमुदः ॥१॥ तत्वमुदं ॥ तत्व
मुदौ ॥ तत्वमुदः ॥२॥ तत्वमुदा ॥ तत्वमुड्भ्यां ॥ तत्वमुड्भ्यां ॥ त
त्वमुड्भिः ॥ तत्वमुड्भिः ॥३॥ तत्वमुदे ॥ तत्वमुड्भ्यां ॥ तत्वमुड्भ्यां
॥ तत्वमुड्भ्यः ॥ तत्वमुड्भ्यः ॥४॥ तत्वमुदः ॥ तत्वमुड्भ्यां ॥ त
त्वमुड्भ्यां ॥ तत्वमुड्भ्यः ॥ तत्वमुड्भ्यः ॥५॥ तत्वमुदः ॥ तत्वमु
दोः ॥ तत्वमुदां ॥६॥ तत्वमुदि ॥ तत्वमुदोः ॥ तत्वमुट्सु ॥ तत्वमुट्
सु ॥७॥ हे तत्वमुक् ॥ हे तत्वमुग् ॥ हे तत्वमुट् ॥ हे तत्वमुड् ॥ हे
तत्वमुदौ ॥ हे तत्वमुदः ॥ ॥ सके १७२७ ॥ दुंदुभिनाम संवत्स
रे आषाढकृष्ण द्वादशी १२ ॥ तद्दिने लिखितं [illegible]
[illegible] स्यसुतु जनार्दनभ
टेन लिखितं ॥ आत्मकार्यार्थं लिखितं परोपकारार्थं लिखि
तं ॥ ॥ तैलाद्रक्षेज्जलाद्रक्षेद्रक्षेच्छिथिलबंधनात् ॥ सुर्खहस्ते
न दातव्यं ॥ एवं वदति पुस्तकं ॥१॥ ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगि
रिनिभं चारुचंद्रावतंसं रत्नाकल्पोज्वलांगं परशुमृगवराभीति
हस्तं प्रसन्नं ॥ पद्मासिनं समंतात्स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसा

॥१४२॥

॥श्रीग

श्रीगणेशायनमः॥ श्री।

धाद्भनद्भधाजप श्रीगणेशायनमः

॥श्रीगणेशायनमः॥राम॥

॥हेपुस्तक [illegible]

[illegible] ॥रूपावकिंवा [illegible]ः॥

॥श्रीमोहनीराजप्रसन्न॥

॥रूपावकिसमासः॥राम॥

धाद्भनद्भधालपपसम

श्रीगणेशायनमः श्रीगणेशा

॥५२॥

[OrderDescription]
,CREATED=20.10.20 16:22
,TRANSFERRED=2020/10/20 at 16:25:32
,PAGES=22
,TYPE=STD
,NAME=S0004251
,Book Name=M-1897-SHABDRUPAWALI
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF
,FILE19=00000019.TIF

FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,